his question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

No. of Question Paper : 3461 A

ique Paper Code : 12051402

me of the Paper : हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)

me of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

nester : IV

T : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

र्थों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) अगर मैं तुमको

ललाती सांझ के नभ की अकेली तारिका

अब नहीं कहता,

या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई,

टटकी कली चंपे की,

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,

मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।

मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,

हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

अथवा

एक आदमी

रोटी बेलता है

एक आदमी रोटी खाता है

एक तीसरा आदमी भी है

जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है

वह सिर्फ रोटी से खेलता है

मैं पूछता हूँ--

'यह तीसरा आदमी कौन है?'

मेरे देश की संसद मौन है।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल की दृष्टि से विश्लेषण कीजिए : (7.5×2=15)

कौन है वह एक जिसको नहीं पड़ता दूसरे से काज?

चाहिए किसको नहीं सहयोग?

चाहिए किसको नहीं सहवास?

कौन चाहेगा कि उसका शून्य में टकराय यह उच्छ्वास?

हो गया हूँ मैं नहीं पाषाण

जिसको डाल दे कोई कहीं भी

करेगा वह कभी कुछ न विरोध। (मूल-संवेदना)

(ख) जब वह बहुत ज्यादा थक जाती है

तो उठा लेती है सुई और तागा

मैंने देखा है कि जब सब सो जाते हैं

तो सुई चलाने वाले उसके हाथ

देर रात तक

समय को धीरे-धीरे सिलते हैं

जैसे वह मेरा फटा हुआ कुर्ता हो

(काव्य-सौंदर्य)

(ग) राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत - भाग्य - विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है ।

मखमल टमटम बल्लम तुरही

पगड़ी छत्र चंवर के साथ

तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर

जय - जय कौन कराता है । (काव्य - बिंब)

3. नागार्जुन की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (15)

अथवा

अज्ञेय की कविता का मूत्र स्वर स्पष्ट कीजिए।

4. 'रामदास' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

राजेश जोशी की कविताओं में व्यक्त स्वप्न और यथार्थ का चित्रण कीजिए।

5. भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए। (15

अथवा

केदारनाथ सिंह की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

30-05-2021